



दैनिक

# बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

Facebook: दैनिक बुद्ध का संदेश WhatsApp: 8795951917, 9415163471 Telegram: @budhakasandesh Email: budhakasandeshnews@gmail.com Website: www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

स्वास्थ्य के लिए  
लाभदायक है ...8

सिद्धार्थनगर

शनिवार , 25 जुलाई 2026

वर्ष: 13 अंक : 223 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

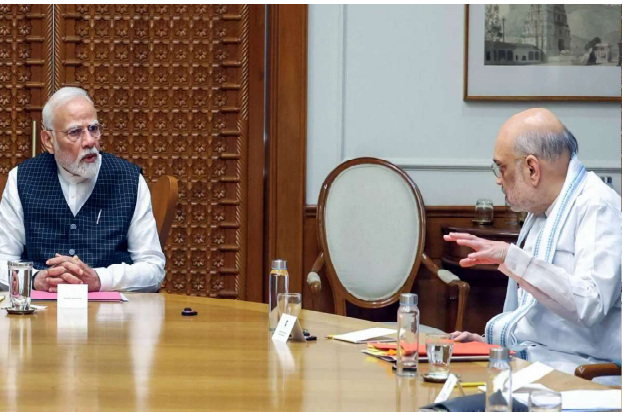
एक विश्वास....

सम्पादक : राजेश शर्मा

## 10 साल की जेल, एक करोड़ रुपए का जुर्माना, पेपर लीक पर फास्ट ट्रैक अंदाज में ये कौन सा बिल मोदी कैबिनेट ने किया मंजूर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस संबंध में घोषणा किए जाने के कुछ ही घंटों बाद, शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट ने पेपर लीक मामले में सख्त सजा सुनिश्चित करने वाले एक ड्राफ्ट बिल (प्रारूप विधेयक) को मंजूरी दे दी। सूत्रों ने बताया कि संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मौजूद कानूनों की तुलना में पेपर लीक में शामिल लोगों को अधिक सख्त सजा देने वाले ड्राफ्ट बिल को हरी झंडी दी गई। गुरुवार आधी रात के आसपास जारी एक वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की थी कि पेपर लीक के खिलाफ कड़े प्रावध

ानों वाला एक विधेयक अगले हफ्ते संसद में पेश किया जाएगा।



यह घोषणा कॉकरोच जनता पार्टी (ब्रष्टे) द्वारा जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच आई है, जिसमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, परीक्षा में गड़बड़ियों के लिए जवाबदेही, शिक्षा प्रणाली में सुधार और मई में नीट-यूजी पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की जा रही है। इससे पहले आज सीजेपी ने सरकार से कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की उनकी मांग पर कोई समझौता नहीं हो सकता। पार्टी नेताओं ने

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ बातचीत का दूसरा दौर भी किया। जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन की अनुवायं कर रही सीजेपी ने दावा किया कि सरकार ने इस मांग पर जवाब देने के लिए शनिवार दोपहर तक का समय मांगा है। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा सीजेपी के महीने भर से चल रहे विरोध प्रदर्शनों का मुख्य मुद्दा रहा है। 20 जुलाई को जब मांग की जा रही है। इससे पहले आज सीजेपी ने सरकार से कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की उनकी मांग पर कोई समझौता नहीं हो सकता। पार्टी नेताओं ने

सीजेपी और सरकार की बैठक में क्या हुआ ?

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लगभग दो घंटे चली बैठक के बाद, सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि सरकार उनकी दो मांगों को मानने के लिए तैयार हो गई है। ब्रष्टे ने आत्महत्या करने वाले छम्पू उम्मीदवारों के परिवारों के लिए 1 करोड़ रुपये के मुआवजे और विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने की मांग की है। रांका ने पत्रकारों से कहा सरकार ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की हमारी मांग पर कल दोपहर तक का समय मांगा है। हमें उम्मीद है कि सरकार उन्हें जल्द ही हटा देगी। उन्होंने आगे कहा सरकार ने मुआवजे (नीट की तैयारी करने वाले उन छात्रों के परिवारों के लिए जिन्होंने आत्महत्या की) और छात्रों के खिलाफ दर्ज थट और कानूनी मामलों को वापस लेने की दो मांगों पर सौझांतिक मंजूरी दे दी है। ब्रष्टे नेताओं और सरकार के बीच बैठक का तीसरा दौर शनिवार को होगा सरकार ने इस बैठक के लिए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को नियुक्त किया है।

## गुलाम जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के दमन पर संयुक्तराष्ट्र मौन, भारत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत ने जहां गुलाम जम्मू-कश्मीर में दमन को लेकर पाकिस्तान को घेरा है तो वहीं इस मामले में यूएन के मौन रहने पर सवाल भी उठाए हैं। भारत ने यूएन के इस रवैये पर निराशा जताते हुए कहा कि पाकिस्तान खासकर गुलाम जम्मू-कश्मीर में हो रहे दमन को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि अन्य देशों में ऐसी घटनाओं की यूएन खुलकर आलोचना करता है।



इस तरह की घटनाओं पर यूएन कड़ी प्रतिक्रिया देता है, लेकिन पाकिस्तान में हो रहे ऐसे दमन और घटनाओं पर वह ध्यान नहीं देता। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में जारी घटनाक्रम पाकिस्तान के वास्तविक चरित्र को पूरी तरह उजागर करते हैं। भारतीय प्रतिनिधियों का पलटवार: भारतीय

प्रतिनिधि ने पविवादों के शांतिपूर्ण समाधान के तंत्र को मजबूत करने के विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में पाकिस्तान की ओर से कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने पर यह जवाब दिया। उन्होंने कहा, छुनिया पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कश्मीरियों के बुनियादी अधिकारों, अभिव्यक्ति और संगठन

की स्वतंत्रता व मौलिक आजादी के लगातार हो रहे दमन की गवाह है। ये अलग-अलग मामले नहीं हैं बल्कि गुलाम जम्मू-कश्मीर में करीब आठ दशक से पाकिस्तानी सरकार की एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं। गुलाम जम्मू-कश्मीर में अपने अधिकारों के लिए आंदोलन कर रहे कश्मीरियों को पाकिस्तानी सरकार ने बेरहमी से दबाया है। जून से अब तक 34 कश्मीरी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा मारे जा चुके हैं। हालिया घटना में 14 जुलाई को तारारखाल में छह कश्मीरियों को मार डाला गया। भारतीय प्रतिनिधि ने दमन के उदाहरणों में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में डाले जाने का भी जिक्र किया।

## अब वंदे मातरम का अपमान करने पर होगी कड़ी सजा, राज्यसभा में बिल पेश

अपमान की सटीक परिभाषा क्या होगी, यह बहुत महत्वपूर्ण होगा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह दौरान उठाया गया है और

राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक बिल पेश किया। इस बिल का मकसद वंदे मातरम गाने के दौरान उसका अपमान करने या उसमें बाधा डालने को आपराधिक कानून के दायरे में लाना है। शराष्ट्रीय



सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026, जिसे उच्च सदन में पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया था, का मकसद शराष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन करना है। प्रस्तावित कानून राष्ट्रीय गीत को कानूनी सुरक्षा देगा और इसे मौजूदा कानून के तहत पहले से शामिल अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों के समान कानूनी दर्जा दिलाएगा। यह कदम वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के समारोहों के

होगी, यह बहुत महत्वपूर्ण होगा, खासकर यह तय करने में कि असल में कानून कैसे लागू किया जाएगा। फिलहाल, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 राष्ट्रीय प्रतीकों — जैसे भारतीय राष्ट्रीय ध्वज, संकि

पान और राष्ट्रगान श्जन गण मनश् — के अपमान से जुड़ी खास हरकतों के खिलाफ कानूनी सुरक्षा देता है। इस संशोधन का मकसद इस कानूनी ढांचे को विस्तार करना है ताकि इसमें श्वंदे मातरमश् को भी शामिल किया जा सके। यह प्रस्तावित कानून श्वंदे मातरमश् के 150 साल पूरे होने के मौके पर लाए जाने वाले कार्यक्रमों के बीच पेश किया गया है। यह गीत भारत की आजादी की लड़ाई से गहराई से जुड़ा हुआ है।

अब तक बनाए गए 10 18 करोड़ से अधिक किसान पहचान पत्र, सरकार ने राज्यसभा में दी जानकारी

यी दिल्ली। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि सब्सिडी के प्रत्यक्ष अंतरण और तकनीकी परामर्श को सुव्यवस्थित करने के लिए अब तक 10.18 करोड़ से अधिक किसान पहचान पत्र बनाए जा चुके हैं। कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सब्सिडी के प्रत्यक्ष अंतरण और तकनीकी परामर्श को सुव्यवस्थित करने के लिए 20 जुलाई 2026 तक 10.18 करोड़ से अधिक किसान पहचान पत्र बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य किसानों के जीवन को सुगम बनाने के लिए किसान पहचान पत्र (आईडी) का इस्तेमाल कर रहे हैं।

राहुल गांधी का बड़ा हमला

## धर्मेंद्र प्रधान अपराधी शिक्षा मंत्री, उन्हें जाना होगा!

नई दिल्ली। नीट-यूजी परीक्षा विवाद के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 24 जुलाई को मोदी सरकार की आलोचना और तेज कर दी। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपराधी शिक्षा मंत्री बताया और कहा कि उन्हें हटाना ही होगा। नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने छात्रों की तीन मांगें रखीं। इनमें 20 जुलाई को संसद चलो मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खट्टिलाफ कार्रवाई की मांग भी शामिल थी। उन्होंने



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से युवाओं से माफी मांगने की भी मांग की। भारतीयवायु सेना भर्ती राहुल गांधी ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें हटाया जाना चाहिए। वे हमारे शिक्षा तंत्र के ध्वस्त होने का

प्रतीक हैं। उन्हें जाना ही होगा। उन्ही की वजह से हजारों लोग बाहर हैं। उन्हें जाना ही होगा। उन्होंने आगे कहा कि पेपर लीक के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को नौकरी से निकाला जाना चाहिए। जिन्होंने

## कांग्रेस के इमरान मसूद ने सोनम वांगचुक को बताया दूसरा अन्ना, बीजेपी ने किया पलटवार

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन को लेकर सियासत तेज हो गई है। 26 दिनों से सोनम वांगचुक का अनिश्चित कालीन अनशन समाप्त हो गया है। हालांकि, इसको लेकर विपक्ष की ओर से सवाल खड़े किए जा रहे हैं। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि वह अन्ना (सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे) का दूसरा रूप हैं। अन्ना 12 साल तक चुप रहे और अब सोनम वांगचुक चुप रहेंगे। कल आप सरकार के साथ समझौता कर रहे थे उस समय क्या वहां कोई छात्र मौजूद था? सरकार के साथ आपके निजी समझौते के अलावा और क्या है?



शहजाद पूनावाला ने सोनम वांगचुक के बारे में इमरान मसूद की अन्ना पार्ट टू और सरकार के साथ पर्सनल डील वाली टिप्पणियों पर पलटवार किया है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी हैं, जिस तरह से उन्होंने सोनम वांगचुक का अपमान किया है। राहुल गांधी कभी सोनम वांगचुक के पास नहीं गए, वे 21 दिनों तक छुट्टी पर

थे और उन्होंने कभी छात्रों या उनके विरोध-प्रदर्शन की परवाह नहीं की। आज, जब सरकार ने प्रदर्शनकारियों और सोनम वांगचुक से बात की है, उनका अनशन खत्म कराया है और संसद में इस मुद्दे पर चर्चा की उनकी मांग मान ली है, तो राहुल चर्चा से भाग रहे हैं और अपने सांसदों से सोनम वांगचुक को अपशब्द कहलवा रहे हैं। वे इसलिए बहुत परेशान हैं क्योंकि उन्हें इसका क्रेडिट नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम छात्रों के हितों के लिए प्रतिबद्ध हैं वे ही लगातार फास्ट-ट्रैक कोर्ट, नकल-रोधी कानून, नीट परीक्षा का सही ढंग से आयोजन और शिक्षा मंत्रालय में कार्रवाई जैसे मुद्दों के लिए लड़ते रहे हैं।

## संसद में गतिरोध जारी, पांचवें दिन भी विधायी कामकाज टप, नीट पर बवाल

नई दिल्ली। इस हफ्ते के ट्रेंड को जारी रखते हुए, शुक्रवार को मौनसून सत्र के पांचवें दिन संसद में बार-बार कार्यवाही स्थगित हुई और हंगामा हुआ। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक मामले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर पूरी चर्चा की मांग कर रहे थे। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई और अब वे सोमवार सुबह 11 बजे फिर से मिलेंगे। वहीं, आज दोनों सदनों में कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

ने विपक्ष से अपील की कि वे नीट पेपर लीक मामले पर लोकसभा में बहस होने दें। उन्होंने कहा कि विपक्ष का कोई भी बहाना देश में गलत संदेश देगा। हालांकि, कांग्रेस और विपक्षी दलों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर जोर देना जारी रखा। पिछले पांच दिनों में लोकसभा में कोई खासी विधायी कामकाज नहीं हो सका तथा प्रश्नकाल और शून्यकाल भी नहीं चल सके। सदन की बैठक शुक्रवार सुबह शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष



ओम बिरला ने 26 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल विजय दिवस का उल्लेख किया। इसके बाद सदन ने कारगिल संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सशस्त्र बलों के जवानों को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि के बाद विपक्षी सदस्य नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने की अपील करते हुए कहा कि प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद उन्हें अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। हालांकि,

विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। बाद में भी यह हंगामा जारी रहा जिसके बाद कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक 13 मिनट पर सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद ही नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले पर चर्चा करने की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों और इसका विरोध कर रहे सत्ता पक्ष के सदस्यों के हंगामे के कारण शुक्रवार को राज्यसभा की बैठक दो बार के स्थगन के बाद पूरे

दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे की वजह से आज भी उच्च सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे बैठक शुरू होने दी विपक्षी सदस्यों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद ही नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले पर चर्चा करने की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। उप सभापति हरिवंश ने कहा कि राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन अधिनियम) विधेयक 2026 को पेश किया जाना है जो आज के कामकाज की सूची में सूचीबद्ध है।

## एआई की नजर, आधार से मैच, चेहरे से कैसे पूरी कुंडली निकाल रही पुलिस?

पुलिस का दावा है कि इसका इस्तेमाल सिर्फ यह पता लगाने के लिए किया जा रहा है कि भीड़ में कोई आपराधिक रिकॉर्ड वाला व्यक्ति माने कोई अपराधी मौजूद ना हो। सर्विलेंस वाली गाड़ी को इशाना नाम दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने 2023 में हुए ८20 शिखर सम्मेलन से ठीक पहले इस वैन को अपने जंथे में शामिल किया था। क्या दिल्ली पुलिस जंतरमंतर पर प्रोटेस्टर्स की निगरानी एआई फेशियल रिकॉग्निशन के जरिए कर रही है? ऐसा दावा सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियोस में किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस प्रदर्शनकारियों की तुरंत पहचान करने के लिए एआई फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। साथ ही साथ 360 कैमरा वाली लाइव सर्विलेंस गाड़ी भी नजर आ रही है। इस गाड़ी के अंदर लगी स्क्रीन पर कुछ प्रदर्शनकारियों के नाम, फोटो और बाकी जानकारी डिस्प्ले हो रही है। इस वीडियो में कहीं भी आधार का नाम नहीं लिया गया है। लेकिन चेहरा स्कैन करते ही पर्सनल जानकारी सामने आने पर लोग सवाल उठा रहे हैं। सवाल यह कि क्या यह सिस्टम आधार या फिर किसी दूसरे सरकारी डेटाबेस से जुड़ा हुआ है? पहले यह जान लेते हैं कि जंतरमंतर पर ऐसी सर्विलेंस वाली कितनी गाड़ियां हैं।



[illegible]



## श्रीष चौधरी के विकास प्रयासों से रोशन हुआ देवरा बाजार, हाईमास्ट लाइट की मिली बड़ी सौगात

दैनिक बुद्ध का संदेश



**सिद्धार्थनगर।** विकास खंड जोगिया के ग्राम सभा देवरा बाजार में गुरुवार को विकास की एक और कड़ी जुड़ गई। यहां नवनिर्मित हाईमास्ट लाइट का विधिवत उद्घाटन किया गया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीष चौधरी की अगुवाई में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, क्षेत्र के गणमान्य लोगों एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासियों की मौजूदगी रही। हाईमास्ट लाइट के शुरू होते ही बाजार क्षेत्र दूधिया रोशनी से जगमगा उठा। देवरा बाजार क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। बाजार में देर शाम तक लोगों का आवागमन बना रहता है। ऐसे में हाईमास्ट लाइट लगने से



दिवाकर विक्रम सिंह, जिला कार्यालय सह प्रभारी महेंद्र लोधी, मंडल महामंत्री परमेश्वर साहनी तथा मंडल उपाध्यक्ष आशीष दुबे सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। हाईमास्ट लाइट के शुभारंभ को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने इस पहल को स्वागत करते हुए कहा कि बाजार में बेहतर प्रकाश व्यवस्था होने से आमजन के साथ-साथ व्यापारियों को भी लाभ मिलेगा। देर शाम बाजार आने-जाने वाले लोगों को अब अंधेरे की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। विकास कार्यों को मिलेगी और गति ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीष चौधरी ने क्षेत्रवासियों को भरोसा दिलाया कि जोगिया विकास खंड में जनहित और क्षेत्र की



आवश्यकता से जुड़े विकास कार्यों को निरंतर गति दी जाएगी। गांवों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत कर विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा।

## 24 घंटे बाद मछुआरों के जाल में मिले नदी में डूबे तीनों युवकों के शव

विधायक व पुलिस ने मछुआरों को दिया रु12 हजार का प्रोत्साहन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शव मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में चपेट में आकर डूब गए।



बाणगंगा नदी के बैदौली घाट पर अंतिम संस्कार के बाद स्नान करने के दौरान डूबे तीन युवकों

शोक की लहर दौड़ गई। घटना बीते गुरुवार दोपहर करीब 1:30 बजे की है। मधवापुर टोला



के शव आखिरकार करीब 24 घंटे बाद बरामद कर लिए गए। प्रशासन, एसडीआरएफ और स्थानीय मछुआरा समुदाय के पेशेवर गोताखोरों की कड़ी मशक्कत के बाद शुक्रवार को जाल की मदद से तीनों शव नदी से बाहर निकाले गए।

मिझुनिया गांव निवासी शिवा चौहान, रवि वरुण और मोनू वरुण गांव की बुजुर्ग महिला कंचन के अंतिम संस्कार में शामिल होने बैदौली घाट पहुंचे थे। दाह संस्कार के बाद तीनों युवक बाणगंगा नदी में स्नान करने उतर गए, तभी गहरे पानी और तेज बहाव की

आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना पर प्रशासन और एसडीआरएफ ने देर शाम तक तलाश की, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लगी। शुक्रवार सुबह नई डहर गांव के मछुआरा समुदाय के पेशेवर गोताखोरों ने बड़े-बड़े जाल डालकर दोबारा खोज अभियान शुरू किया। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तीनों युवकों के शव नदी से बरामद कर लिए गए। शव मिलने के बाद रवि वरुण और मोनू वरुण के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और दोनों शवों को अपने साथ घर ले गए। वहीं शिवा चौहान के शव का पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## आजाद चौक पर धूमधाम से मनाई गई चंद्रशेखर आजाद जयंती



उनका जन्मोत्सव मनाया। आजाद वाहिनी के अध्यक्ष एवं रक्तदाता ब्रजेश चौबे ने कहा कि प्रतिमा के ऊपर छतरी लगाने और आजाद चौक का नया बोर्ड स्थापित करने की मांग कई बार नगर पालिका परिषद से की गई, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही प्रतिमा पर छतरी और नया बोर्ड नहीं लगाया गया तो आजाद वाहिनी आंदोलन करने को बाध्य होगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने आपसी एकता और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की शपथ ली। अंत में वंदे मातरम् और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ता देवेंद्र नाथ त्रिपाठी, डॉ. बीएन त्रिपाठी, प्रो. केपी त्रिपाठी, डॉ. रविशंकर त्रिपाठी, बबलू कुमार द्विवेदी, संतोष कुमार तिवारी, सिद्धार्थशंकर पांडे, ईश्वर चंद दुबे, ऋषिकेश मिश्रा, उमेश पाठक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

## जन चौपाल लगाकर योजना की दी गई जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश



**सिद्धार्थनगर।** सदर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बसौनी में गांव में जन चौपाल लगाकर सरकार की सभी योजनाओं का जानकारी दिया गया जिससे सभी ग्राम वासियों को सरकार की सभी योजनाओं की जानकारी रहे जिससे कोई वंचित न रहे शासनादेश के अनुसार हर ग्राम पंचायत में चौपाल के माध्यम से यह जानकारी अवगत कराया जाता है की ग्राम सभा में सरकार की शिवम आदि ग्राम वासियों योजनाओं का लाभ सभी व्यक्तियों तक पहुंचा जा सके। जैसे की। फैंमिली आईडी श्रम कार्ड आयुष्मान कार्ड फार्मर रजिस्ट्री पीएम आवास विधवा पेंशन आदि को विस्तार से बताया गया और साथ ही साथ बसौनी कंपोजिट विद्यालय परिसर में हरिशंकरी वृक्षारोपण कार्यक्रम का विधिवत आयोजन करके उसके महत्व को भी बताया गया इस चौपाल में मौजूद वी डी ओ काजल बसौनी प्रशासक मुनीराम सचिव विमलकांत पंचायत सहायक शिवम आदि ग्राम वासियों उपस्थित रहें।

## ज्वेलर्स की दुकान में चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, लाखों के जेवर व नकदी बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

शहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। (पीली धातु) तथा 1,500 रुपये



शहरतगढ़ पुलिस ने नगर के मेन रोड स्थित महालक्ष्मी ज्वेलर्स में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए नेपाल निवासी एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के सोने के आभूषण

नगद भारतीय मुद्रा बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, महालक्ष्मी ज्वेलर्स के संचालक शिवम सोनी पुत्र स्व. वेदप्रकाश सोनी, निवासी वार्ड संख्या-4 दशरथनगर, करबा शहरतगढ़ ने थाना शहरतगढ़ में तहरीर देकर बताया था कि उनकी मेन रोड, गड़ाकुल स्थित

दुकान का 17 जुलाई 2026 की रात करीब 1रु30 बजे अज्ञात चोरों ने शटर और ताला तोड़कर दुकान में रखे सोने के आभूषण तथा कुछ नगदी चोरी कर ली थी। काफी खोजबीन के बाद भी चोरों का पता नहीं चलने पर उन्होंने पुलिस से मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की थी। इस तहरीर के आधार पर थाना शहरतगढ़ में मुकदमा अपराध संख्या 152/2026 पंजीकृत किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी शहरतगढ़ के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर प्लाईवुड तिराहा, करबा शहरतगढ़ के पास संदिग्ध व्यक्ति की चेंकिंग के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया।

## किसान सभा की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश



**शहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।** नगर पंचायत शहरतगढ़ के अटल नगर, छतहरा में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश किसान सभा एवं ट्रेड यूनियन मिड डे मील कर्मचारी यूनियन की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता किसान सभा के जिलाध्यक्ष श्याम लाल शर्मा ने की, जबकि संचालन सैय्यद नौशाद अली ने किया। बैठक की शुरुआत विकास कार्यों के विस्तृत भ्रष्टाचार, पेपर लोक की घटनाओं तथा छात्रों पर लाठीचार्ज की निंदा के साथ हुई। वक्ताओं ने संविदा कर्मियों को 26 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिए जाने, किसानों को स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप फसलों का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने, मुक्त व्यापार समझौते को रद्द करने, महंगाई, बेरोजगारी और निजीकरण पर रोक लगाने सहित विभिन्न मांगों पर चर्चा की। इसके अलावा अल्पसंख्यकों, महिलाओं एवं छात्रों के उत्पीड़न पर रोक लगाने और जनहित से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में पूर्णमासी, अनवारुल्ला, विजय नाथ तिवारी, बृज बिहारी शर्मा, राम उजागिर मोर्य, त्रिभुवन यादव, माधव प्रसाद, राम सेवक गुप्ता, अवध राम, शिवशंकर चौधरी, सुरेन्द्र नाथ चौधरी, ब्रदीनाथ चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## सुकरौली में सरकारी गली की दुकान कोटा आवंटन को लेकर चौन हक बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रिलिया/सिद्धार्थनगर। एवं सम्मानित ग्रामवासी महिला सखी समूह उपस्थित रहे। इस पंचायत सुकरोली स्थित दौरान महिला सखी समूहों की



बहुउद्देशीय पंचायत भवन के अमर शहीद भगत सिंह सभागार में शुक्रवार को सरकारी गली की दुकान/कोटा के आवंटन को लेकर बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नोडल अधिकारी एडीओ पंचायत अजय राय, अभिनव शुक्ला ने की। बैठक में एडीओ पंचायत अजय राय, एडीओ पंचायत (म/र) किरण सरोज, ग्राम प्रधान विजयमनि उमानाथ पांडे, प्रधान प्रतिनिधि देवेंद्र नाथ पांडेय उर्फ श्यामू भैया सहित ग्राम पंचायत सदस्य भागीदारी भी रही। बैठक में कुल 8 महिला सखी समूह की महिलाएं मौजूद रहीं। बैठक में पारदर्शी तरीके से कोटा आवंटन की प्रक्रिया पर चर्चा की गई और लोगों से आवेदन भी लिया गया। पात्र लाभार्थियों को समय से लाभ दिलाने पर सहमति बनी। ग्राम प्रधान विजयमनि पांडे ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुसार गरीबों को निष्पक्ष रूप से लाभ मिले यह सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

## बूंद-बूंद बचाना है

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। भू-जल संरक्षण जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सदर ब्लॉक के कंपोजिट जूनियर हाईस्कूल लमतहिवा में समस्त शिक्षकों एवं बच्चों ने जल है तो कल है, जल ही जीवन है तथा हम सबने मिलकर ठाना है, बूंद-बूंद बचाना है जैसे नारे लगाने के बाद भू-जल संरक्षण की सामूहिक शपथ ग्रहण की। इसी क्रम में भू-जल संरक्षण विधायक चित्रकला एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई जिसमें शुभम सिंह, ज्योति, खुशबू तथा प्रीति आदि ने सुंदर चित्र बनाकर क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए। प्रतियोगिता के निर्णायक वरिष्ठ शिक्षक प्रभाकर शुक्ला ने सभी प्रतिभागी बच्चों को जल, वायु एवं पर्यावरण की स्वच्छता एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए प्रोत्साहित किया। इको क्लब के संयोजक नियाज अहमद के संयोजन में संपन्न कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक रामसुभग ने समस्त विजेता बच्चों को उपहार स्वरूप लेखन सामग्री आदि भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में देवेंद्र त्रिपाठी, संघशील बौद्ध, रोमा उपाध्याय, ममता श्रीवास्तव, संजीत कुमार, रिकू कसौधन आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।



## सम्पादकीय

**ऐसी अभिनव पहल हमारी बचाव की रणनीति का हिस्सा बननी चाहिए। सही मायने में हृदय रोग के खिलाफ लड़ाई ‘पहले हार्ट अटैक’ से काफी पहले शुरू हो जानी बेहतर है। हाल के वर्षों में देश में योग व प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार के जरिये सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। योग जहां हमारे शारीरिक स्वास्थ्य में मददगार है, वहीं मानसिक तनाव घटाने में बेहद कारगर साबित हुआ है। दिल्ली ...**

अब वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि हृदय रोग व्यक्ति को बुढ़ापे में ही गिरफ्त में लेता है। हाल के दिनों में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं कि उत्तर भारत में बड़ी संख्या में युवा दिल की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। निश्चय ही यह स्थिति इस क्षेत्र में बीमारियों के बदलते पैटर्न की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। दरअसल, पंजाब व हरियाणा के युवाओं के बाबत आई हालिया रिपोर्ट ने इस गंभीर संकट की हकीकत को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है कि पंजाब के युवाओं को दिल के बेहतर इलाज की जरूरत लगातार बढ़ रही है। दूसरी तरफ हरियाणा में बढ़ते टेली-ईसीजी नेटवर्क ने यह दर्शाया है कि शुरुआती चरण में रोग का पता चलने से कैसे अधिक से अधिाक जांनें बचायी जा सकती हैं। निश्चय ही ये स्थितियां बताती हैं कि उत्तर भारत में बढ़ती इस चुनौती के मुकाबले के लिये तुरंत गंभीर प्रयासों की जरूरत है। दरअसल, हृदय रोग के इस संकट के मूल में हमारी जीवनशैली में आ रहे बदलावों की बड़ी भूमिका है। जिसमें शारीरिक सक्रियता में आई लगातार कमी का भी बड़ा रोल है। वहीं कसरत व खेल गतिविधियों में कमी, प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन, तंबाकू व नशीले पदार्थों की लत, व्यक्ति के जीवन में लंबे समय तक रहने वाला तनाव, पर्याप्त नींद न लेना और कम उम्र में ही मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से मिलकर एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। आज बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की है जो लंबी सिटिंग में पड़ाई करते हैं, कार्यस्थल पर लगातार काम करते हैं व स्क्रीन पर लगातार घंटों बिताते हैं। वे शारीरिक सक्रियता, कसरत,योग व मनोरंजन के लिये बहुत कम समय दे पाते हैं। वहीं पढ़ाई का दबाव, बेरोजगारी का तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण होने वाला मानसिक तनाव दिल की बीमारियों के खतरे को और अधिक बढ़ा देता है। लेकिन आम लोग इस तनाव व उच्च रक्तचाप आदि को गंभीरता से नहीं लेते। विडंबना यह है कि हम उन तमाम शुरुआती संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो दिल की बीमारियों की आहट देते हैं।

## जागरूकता—शुरुआती उपचार नियंत्रण में मददगार

इन लक्षणों में शामिल सांस का फूलना, अत्यधिक थकान व सीने का दर्द तक की अनदेखी कर दी जाती है। समाज में आज भी यह धारणा बनी हुई है कि दिल की बीमारी तो बुजुर्गों का रोग होता है। सही मायने में आज समाज में उपचार से पहले व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। ऐसे में अस्पतालों के जरिये पब्लिक हेल्थ सिस्टम को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर रक्तचाप, रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच को स्वास्थ्य कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। साथ ही जन-जागरण अभियान के माध्यम से युवाओं को शुरुआती लक्षणों को पहचानने और चिकित्सा मदद लेने के बारे में प्रेरित किया जाना चाहिए। सही मायने में पौष्टिक भोजन लेने, शारीरिक सक्रियता व मानसिक स्वास्थ्य को भी नीतिगत स्तर पर उतनी प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जितनी देश में संक्रामक बीमारियों को दी जाती है। इस अभियान में अब तकनीक व कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया जा सकता है। टेलेमैडिसिन के जरिये दूर से ईसीजी कराने और बेहतर आपातकालीन रेफरल सिस्टम के जरिये गांवों और छोटे कस्बों तक विशेषज्ञ देखभाल की सुविधा पहुंचाई जा सकती है। जिसके जरिये यह सुनिश्चित किया जाए कि इलाज संवेदनशील ‘गोल्डन आवर’ के दौरान ही शुरू हो जाए। ऐसी अभिनव पहल हमारी बचाव की रणनीति का हिस्सा बननी चाहिए। सही मायने में हृदय रोग के खिलाफ लड़ाई ‘पहले हार्ट अटैक’ से काफी पहले शुरू हो जानी बेहतर है। हाल के वर्षों में देश में योग व प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार के जरिये सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। योग जहां हमारे शारीरिक स्वास्थ्य में मददगार है, वहीं मानसिक तनाव घटाने में बेहद कारगर साबित हुआ है। दिल्ली स्थिति एक्स व पीजीआईएमआर में बाकायदा योग पर व्यापक शोध कार्य हुआ है और उसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। दरअसल, योग के जरिये हम संयमित रहते हैं और जीवनशैली से जुड़े तमाम रोगों से मुक्ति पा सकते हैं।

# वाहनों के हिसाब से पार्किंग के विकास की चुनौती

**समस्या का स्थायी समाधान केवल नई पार्किंग इमारतें बनाना नहीं है। इसके लिए प्रभावी प्रबंधन, सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर सख्त जुर्माना तथा मेट्रो, सिटी बसों और अन्य भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का विस्तार जरूरी है। साथ ही, नई आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं में पार्किंग संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना होगा। पार्किंग को भवन निर्माण की औपचारिक शर्त नहीं, बल्कि शहरी...**

देश में वाहनों की तादाद जिस तेजी से बढ़ी उसके मुताबिक बुनियादी ढांचे का विकास नहीं हो सका। रिहायशी इलाके के अलावा पार्किंग की दिक्कत अस्पतालों, मार्केट्स व दफ्तरों में भी है। वहीं अवैध पार्किंग आवाजाही में बाधा है। इसका समाधान बेहतर शहरी नियोजन के अलावा प्रभावी क्रियान्वयन में भी है। नई गाड़ी खरीदना पहले कभी इतना आसान नहीं था, लेकिन उसे सुरक्षित जगह पर खड़ा करना शायद पहले कभी इतना मुश्किल भी नहीं था। बैंक के आसान ऋण और आकर्षक ईएमआई ने कार को हर म्मयवर्गीय परिवार की पहुंच में ला दिया है। विडंबना यह है कि कार खड़ी करने की जगह अब बची ही नहीं है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के अनुसार, मई 2026 तक देश में 42.09 करोड़ से अधिक मोटर वाहन पंजीकृत थे। दूसरी ओर, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के अनुसार केवल जून 2026 में 25.57 लाख वाहनों की बिक्री हुई। इसके बावजूद शहरों का बुनियादी ढांचा इस रफ्तार का साथ नहीं दे पा रहा। नतीजा यह है कि आज कई शहरों में वाहन चलाने से अधिक कठिन उसे सुरक्षित खड़ा करना हो गया है। रात के दस बज रहे हैं। दफ्तर से लौटा एक व्यक्ति आधे घंटे से अपनी ही कॉलोनी में गाड़ी खड़ी करने की जगह तलाश रहा है। गली के कई चक्कर लगाने के बाद

भी जगह न मिलने पर उसे वाहन मुख्य सड़क किनारे खड़ा करना पड़ता है। सुबह तक यही चिंता सताती रहती है कि कहीं



पुलिस चालान न कर दे या गाड़ी को कोई नुकसान न पहुंच जाए। यह दृश्य अब किसी एक महानगर का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश शहरों की रोजमर्रा की हकीकत बन चुका है। रिहायशी कॉलोनियों में यह संकट सबसे गंभीर रूप में दिखाई देता है। घरों के बाहर रखी ईंटें, बाल्कनियां, गमले या टूटी कुर्सियां अब श्शारक्षित पार्किंगश के स्वघोषित संकेत बन चुके हैं। वर्षों पुराने पड़ोसी भी केवल पार्किंग के मुद्दे पर आमने-सामने आ जाते हैं। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठकों में विकास से अधिक पार्किंग विवादों की चर्चा होती है और कई मामले थानों तक पहुंच जाते हैं। पार्किंग अब केवल जगह का नहीं, बल्कि

सामाजिक रिश्तों और नागरिक अनुशासन की परीक्षा का विषय बन चुकी है। सार्वजनिक स्थानों पर स्थिति और भी चिंताजनक है। अस्पतालों में मरीज को मुख्य द्वार पर उतारकर तीमारदार को वाहन खड़ा करने के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ता है। दुर्घटना या गंभीर बीमारी के शोल्डन अवश्य में इलाज में होने वाली देरी कई बार प्राणघातक साबित होती है। बाजारों में सप्ताहांत पर लोगों का काफी समय पार्किंग तलाशने में ही निकल जाता है। सड़क किनारे आड़ी-तिरछी खड़ी गाड़ियों के कारण कई बार एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड के वाहन संकरी गलियों में समय पर नहीं पहुंच पाते। असल समस्या केवल वाहनों की बढ़ती संख्या नहीं, बल्कि नीतिगत कमियां और शहरी नियोजन की कमजोरियां भी हैं। राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) नई परियोजनाओं में पार्किंग का प्रावधान अनिवार्य करती है, लेकिन पुराने शहरों में पर्याप्त पार्किंग विकसित नहीं हो सकी। जिन नए भवनों में श्स्टिट्वट पार्किंगश अनिवार्य की गई, वहां भी कई लोगों ने अवैध निर्माण कर लिए। सड़कें संकरी होती जा रही हैं और फुटपाथ अवैध पार्किंग की चपेट में हैं। इसका सबसे बड़ा खमियाजा पैदल चलने वालों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ता है। दुनिया के कई देशों ने इस चुनौती का समाधान समय रहते तलाश लिया। जापान में कार खरीदने से पहले निजी पार्किंग (गैराज) का प्रमाण देना

अनिवार्य है। सिंगापुर में कार रखना इतना महंगा है कि लोग सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देते हैं। भारत के कई शहरों में भी बहुमंजिला और स्मार्ट पार्किंग विकसित की गई है, लेकिन कई स्थानों पर उनका अपेक्षित उपयोग नहीं हो रहा। इसकी एक वजह लोगों की यह मानसिकता भी है कि वे सुरक्षित पार्किंग के लिए शुल्क देने के बजाय सड़क पर मुफ्त में वाहन खड़ा करना अपना अधिाकार मानते हैं। समस्या का स्थायी समाधान केवल नई पार्किंग इमारतें बनाना नहीं है। इसके लिए प्रभावी प्रबंधन, सड़क किनारे अवैध ा पार्किंग पर सख्त जुर्माना तथा मेट्रो, सिटी बसों और अन्य भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का विस्तार जरूरी है। साथ ही, नई आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं में पार्किंग संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना होगा। पार्किंग को भवन निर्माण की औपचारिक शर्त नहीं, बल्कि शहरी बुनियादी ढांचे का अनिवार्य हिस्सा मानना होगा। विकास और आधुनिकता का पैमाना केवल चमचमाते फ्लाईओवरों, चौड़ी सड़कों और उन पर दौड़ती निजी गाड़ियों से तय नहीं हो सकता। हमने ईएमआई पर कार खरीदकर श्स्टेटस सिंबलश तो हासिल कर लिया, लेकिन अपने ही मॉडल्लों में सुकून से पैदल चलने की जगह गंवा दी। यदि अब भी पार्किंग को शहरी नियोजन के केंद्र में नहीं रखा गया, तो हमारे शहर धीरे-धीरे वाहनों के कबाड़खाने में तब्दील होते जाएंगे।

**चूंकि इस लेखिका ने अतीत में कम से कम तीन बड़े आंदोलन देखे हैं, वे जिन प्रतिज्ञाओं से शुरू किए गए थे, सत्ता मिलते ही भुला दी गई। जयप्रकाश नारायण के आंदोलन को भी लोगों ने बढ़-चढ़कर दूसरी आजादी कहा था, अब सोनम वांगचुक भी यही कह रहे हैं। लेकिन यह समय भी सत्तर का दशक नहीं है। इक्कीसवीं सदी को भी शुरू हुए पच्चीस साल बीत गए हैं। मुख्यधारा का मीडिया जिसे कहा जाता...**

कोई भी आंदोलन किसी पुराने को उखाड़कर, नए को सत्ता सौंपने तक ही चलता है, बाद में विलीन हो जाता है। चूंकि सत्ता अपने तंत्र और निरंकुशता से ही चलती है, बस चेहरे बदलते रहते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि तमाम क्रांतिकारी और आकर्षक नारे किसी को सत्ता से हटाने और किसी को सत्ता सौंपने का उपक्रम भर होते हैं। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन में भाग लेने वाले सोनम वांगचुक की बिगड़ती तबीयत की खबरें आ रही थीं। बताया गया कि आमरण अनशन के कारण उनका वजन लगातार कम हो रहा था। हाईकोर्ट ने भी कहा कि उनकी सेहत की चिंता की जाए। ऐसे में यदि उन्हें पुलिस ने अस्पताल में दाखिल कराया, तो क्या गलत किया? अगर उनकी जान चली जाती, तो क्या होता? इस आंदोलन में छात्रों से संबंधित जो मुद्दे उठाए गए हैं, उन पर सरकार को जरूर ध्यान देना चाहिए। आखिर ऐसा क्यों है कि पेपर पर पेपर लीक होते जाते हैं? लाखों छात्रों

का भविष्य खतरे में पड़ जाता है, फिर भी किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। हमने सबसे पहले इस तरह का आंदोलन सत्तर के दशक में देखा था। आपातकाल के बाद सरकार की नीतियों के खिलाफ स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण एक बड़ा चेहरा बनकर उभरे थे। उन्हें जेल में भी रहना पड़ा था, कहते हैं कि इसीलिए उनकी दोनों किडनियां खराब हो गई थीं। उस समय न सोशल मीडिया था, न रात-दिन चलते इतने चैनल्स, लेकिन जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी की सरकार के विरुद्ध जो आंदोलन चलाया, उसमें लोगों ने जमकर भागीदारी की। तमाम विपक्षी दल, एक-दूसरे के घोर विरोधी वाम और दक्षिणपंथी विचार, सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इंदिरा गांधी को हार का मुंह देखना पड़ा। जनता पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की। इसे दूसरी आजादी और संपूर्ण क्रांति का नाम दिया गया। जयप्रकाश नारायण ने



कोई पद भी नहीं लिया। वे इंदिरा गांधी से मिलने भी गए। जब इंदिरा जी ने उनसे पूछा कि अब वे क्या करें, तो जे.पी. ने कहा कि फिर से लोगों के बीच जाओ। लेकिन जैसे ही कोई जीतता है, तमाम हित आपस में टकराने लगते हैं। उस समय प्रधानमंत्री पद के लिए मोरारजी देसाई और चौधरी चरण सिंह में काफी खींचतान चली। जितना बहुमत मिला था, उसे जैसे सभी विपक्षी दलों की सात भात की खिचड़ी चला दी नहीं सकी। उधर जे.पी. की सलाह मानकर इंदिरा गांधी खूब सक्रिय हो गईं। नतीजा

# सत्ता की सीढ़ी न बने बदलाव की आकांक्षाएं

यह हुआ कि 1977 की जनता पार्टी की जीत 1980 आते-आते कांग्रेस की जीत में बदल गई। दूसरी आजादी और संपूर्ण क्रांति का सपना धराशायी हो गया। इसके बाद कांग्रेस के ही नेता विश्वनाथ प्रताप सिंह ने राजीव गांधी के खिलाफ आंदोलन चलाया। उनका कहना था कि राजीव गांधी ने बोफोर्स सौदे में दलाली खाई है। हालांकि कहीं कोई प्रमाण न मिला, लेकिन एक बार किसी नेता की छवि पर दाग लग जाए, तो लोग उसे सच मान लेते हैं। इसलिए राजीव गांधी चुनाव हार गए। उनकी सुरक्षा तक फोटो के नीचेकू ईमानदार’। नतीजा बही हो सकता था, शीला दीक्षित चुनाव हार गईं और अरविंद केजरीवाल जीत गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। हालांकि सरकार उन्हें उसी कांग्रेस के समर्थन से बनानी पड़ी, जिसका वे विरोध करते आए थे। यानी कि कोई भी आंदोलन किसी पुराने को उखाड़कर, नए को सत्ता सौंपने तक ही चलता है, बाद में विलीन हो जाता है। चूंकि सत्ता अपने तंत्र और निरंकुशता से ही चलती है, बस चेहरे बदलते रहते हैं। कई

आई कि बहुत से युवा विदेशों से अपनी अच्छी-खासी नौकरियां छोड़कर इसमें भाग लेने आए। अन्ना ने इस आंदोलन को शुरू जरूर किया था, लेकिन इसमें भाग लेने वाले भूतपूर्व आई.आर.एस. अधिकारी अरविंद केजरीवाल नेता बनकर उभरे। उन्होंने उस समय दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के खिलाफ भी खूब अभियान चलाया। ऑटो के पीछे तक एक शीला दीक्षित और एक अरविंद केजरीवाल के फोटो लगे रहते थे। शीला दीक्षित के फोटो के नीचे लिखा रहता थाकू ‘बैंगमान’ और अरविंद केजरीवाल के फोटो के नीचेकू ईमानदार’। नतीजा बही हो सकता था, शीला दीक्षित चुनाव हार गईं और अरविंद केजरीवाल जीत गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। हालांकि सरकार उन्हें उसी कांग्रेस के समर्थन से बनानी पड़ी, जिसका वे विरोध करते आए थे। यानी कि कोई भी आंदोलन किसी पुराने को उखाड़कर, नए को सत्ता सौंपने तक ही चलता है, बाद में विलीन हो जाता है। चूंकि सत्ता अपने तंत्र और निरंकुशता से ही चलती है, बस चेहरे बदलते रहते हैं। कई

बार ऐसा लगता है कि तमाम क्रांतिकारी और आकर्षक नारे किसी को सत्ता से हटाने और किसी को सत्ता सौंपने का उपक्रम भर होते हैं। जो लाखों लोग बदलाव का सपना लिए इनमें भाग लेते हैं, वे पीछे छूट जाते हैं। उनके हाथ सिर्फ पछतावा आता है कि जिस बदलाव का सपना देखा था, वह बस सपना ही रह गया। कम से कम अतीत के सबक तो यही हैं। अब कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा जंतर-मंतर पर जो आंदोलन चलाया जा रहा है, उसमें भी कहा जा रहा है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें भाग लें। वे सत्ता से सवाल पूछें। जवाब न मिले, तो इसे उखाड़ फेंकें।

सिद्धार्थनगर का सबसे बड़ा फ्रीटींग पब्लिकेशन हाउस...
किन्हीभीस्वायंसेईरितराजीवकीअर्जाई

**बुद्ध पब्लिकेशन**  
**ऑफसेट एण्ड प्रिन्टर्स**

**जी.एस.टी. श्रित बुक/फार्म** **कार्पोरल रीक्लेट** **रक्कल कार्पी/फार्म/अवरी** **फपलेट**  
**कार्ट पोस्टर** **कार्ट रिगिडिग कार्ड** **कैक्ट लेट पेड** **बैक फार्म**  
**लिकट-टीरो एजेंत्सी. बीनद न्धकरापर-सिद्धार्थनगर (3.पू.)**  
**8795951917, 9453824459**

Email: info@buddhakasandesh.com  
 Website: www.budhakasandesh.com

















# रॉकिंग स्टार यश की टॉक्सिक के दूसरे गाने मदहोश ने जीता फैंस का दिल, ग्रैंड विजुअल्स देख बोले, बड़े पर्दे के लिए बनी है फिल्म!

टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स्य का दूसरा गाना श्मदहोश रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। रॉकिंग स्टार यश और तारा सुतारिया की फ्रेश ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने फैंस को मदहोश कर दिया है। जहां श्मदहोश में एक गहरा और इंटेंस इमोशनल रिश्ता देखने को मिला था, वहीं श्मदहोश दर्शकों को शर्टॉक्सिक की दुनिया की एक बिल्कुल अलग झलक दिखाता है। गाने में यश के किरदार के नए रंग सामने आए हैं, जिसने फिल्म को लेकर फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

गाना रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया तारीफों से भर गया है। फैंस को खास तौर पर यश के सटल एक्सप्रेशंस, तारा सुतारिया के साथ उनकी सहज केमिस्ट्री और फिल्म का जबरदस्त सिनेमैटिक स्केल बेहद पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने अपनी एक्साइटमेंट कुछ इस तरह जाहिर कीरू प्रोडक्शन डिजाइन से लेकर कैमरा वर्क तक, सब कुछ टॉप क्लास है। पहले प्ताञ्जड्डड्डड्डद और अब प्तरुड्डड्डदशह्द ने साबित कर दिया है कि प्ताञ्जश-दबष् बड़े पर्दे के लिए बनी है।

फिल्म का मूड और माहौल एक अलग ही लेवल का है। यश और तारा सुतारिया की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री बिल्कुल इलेक्ट्रिक है! शर्टॉक्सिक बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। राया और गंगा स्टाइल, एटीट्यूड और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हैं। दोनों का हर फ्रेम करिश्मे, इंटेंसिटी और जबरदस्त स्वेग से भरा हुआ है। नजरें हटाना मुश्किल है। एक ओर फैन ने लिखा, प्ताञ्जश-दबष् शायद हाल की उन चुनिंदा बिग बजट फिल्मों में से एक है, जिसका बजट सच में स्क्रीन पर नजर आ रहा है... विजुअल्स कमाल के हैं। श्मदहोश ने फिल्म के किरदारों और उनके रिश्तों को लेकर भी सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। एक यूजर ने लिखा, तारा बहुत क्यूट लग्गीं, लेकिन यश म कियारा का ऑर्रा ही एक अलग लेवल का है। वहीं एक अन्य फैन ने कहा, तारा सुतारिया, कियारा आडवाणी और नयनतारा सभी एक साथ हैं, लेकिन यश का स्वेग फिर भी सबसे अलग है।

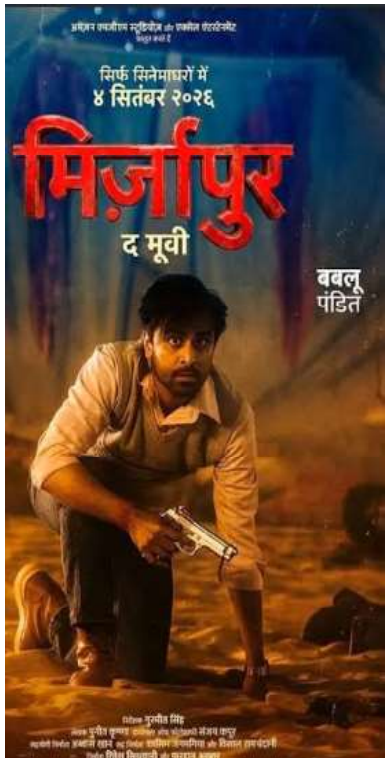
श्मदहोश को मिल रहे जबरदस्त रिस्पोन्स ने शर्टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स्य को लेकर एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है। जहां श्मदहोश ने दर्शकों को फिल्म की पेशानेट और इंटेंस इमोशनल दुनिया से रूबरू कराया था, वहीं श्मदहोश कहानी को एक नया आयाम देता है और एक और दिलचस्प रिश्ते की ओर इशारा करता है।

डायरेक्टर गीतू मोहनदास की बनाई इस लेयर्ड दुनिया की हर नई झलक सोशल मीडिया पर चर्चा छेड़ रही है और साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल शर्टॉक्सिक से उम्मीदें लगातार बढ़ती जा रही हैं। मॉन्स्टर माईंड क्रिएशंस के बैनर तले और कंवीएन प्रोडक्शंस के सहयोग से बनी शर्टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स्य को रॉकिंग स्टार यश ने लिखा और प्रोड्यूस किया है, साथ ही वह फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभा रहे हैं। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।

फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# मिर्जापुर : मूवी से सामने आया जितेंद्र कुमार का लुक, बबलू पंडित किरदार से मचाएगे भौकाल

अली फजल और पंकज त्रिपाठी की लोकप्रिय वेब सीरीज मिर्जापुर फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर आ रही है। हाल ही में फिल्म का धमाकेदार टीजर जारी हुआ, जिसने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। टीजर में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला दृश्य पंचायत वाले जितेंद्र कुमार का था, जो फिल्म का हिस्सा बन चुके हैं। अब निर्माताओं



ने फिल्म से उनका दमदार पोस्टर साझा करते हुए उनके किरदार का खुलासा किया है। निर्माता फरहान अख्तर ने फिल्म से जितेंद्र का पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह बंदूक लिए जबरदस्त अवतार में दिखाई दे रही है। केषन में लिखा है, हमें साम्राज्य चलाना नहीं है, बनाना है। बबलू भैया आ रहे हैं अब बड़े पर्दे पर। दरअसल वह गुड्डू पंडित के छोटे भाई बबलू पंडित के किरदार में हैं, जिसे सीरीज में विक्रान्त मेसी ने निभाया था। फिल्म 4 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रवि किशन भी इसका अहम हिस्सा हैं।

जितेंद्र कुमार का हाथ में बंदूक थामे नया लुक हर किसी को पसंद आ रहा है। जितेंद्र, बबलू पंडित के रूप में एक्शन के लिए तैयार दिख रहे हैं। जितेंद्र के इस पोस्टर को साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, हमें एम्पायर चलाना नहीं, बनाना है।, बबलू भैया आ रहे हैं।

फिल्म में मिर्जापुर की गद्दी के लिए पुराना खूनी खेल तो दिखेगा ही, लेकिन इस बार लड़ाई मिर्जापुर से लेकर रेगिस्तान की रेत तक पहुंचेगी। फिल्म में पंकज त्रिपाठी (कालीन भैया), अली फजल (गुड्डू पंडित) और दिव्येंदु शर्मा (मुन्ना भैया) की मुख्य तिकड़ी के साथ श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल और सोनल चौहान जैसे कई बड़े कलाकार नजर आएंगे।

# रजनीकांत ने धर्मन के लिए कसी कमर, नए पोस्टर में जबरदस्त है थलाइवा का अंदाज

तमिल सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म थलाइवर 173 का आधिकारिक नामकरण हो चुका है। इसे धर्मन- द डेडली डॉक्टर शीर्षक दिया गया है। हाल ही में निर्माताओं ने इस ऐलान के साथ अभिनेता की पहली झलक भी सोशल मीडिया पर जारी की थी। अब ताजा अपडेट है कि सुपरस्टार ने अपनी इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। उनका एक और पोस्टर जारी किया गया है, जिससे फैंस के बीच उत्साह का माहौल है। राज कमल फिल्मस इंटरनेशनल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर रजनीकांत का पोस्टर जारी किया है। इसमें अभिनेता डॉक्टर का खून से लथपथ कोट हाथ में पकड़े हुए हैं। दूसरे हाथ में उनका पहचान पत्र है, जबकि गले में स्टेथोस्कोप पड़ा हुआ है और जमीन पर कई सारी बंदूक की गोलियां बिखरी हुई हैं। उनका यह अंदाज एक ऐसे डॉक्टर की एक्शन से भरपूर कहानी की तरफ संकेत देता है, जिसका एक खतरनाक विद्रोही पक्ष भी है। निर्माता कमल हासन ने थलाइवर 173 का ऐलान इसी साल जनवरी में किया गया था। इसके जरिए वह और रजनीकांत पेशेवर तौर पर करीब 47 साल बाद साथ में आ रहे हैं। दोनों की आखिरी फिल्म अल्लाउद्दीनम अर्पुथा विलाक्कुम (1979) में आई थी। राशि खन्ना भी फिल्म में शामिल हो चुकी हैं और कुछ दिन पहले उन्होंने सेट से मुहूर्त की तरवीरें साझा की थीं। इस परियोजना के निर्देशन की कमान अश्वथ मारिमुथु ने संभाली है।

# कार्यालय नगर पंचायत उसका बाजार, सिद्धार्थनगर

स्वच्छ उसका

स्वच्छ उसका

स्वच्छ उसका

स्वच्छ

भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ

सर्वेक्षण

2026

डा० शिवशरणप्पा जीएन

जिलाधिकारी

सिद्धार्थनगर

अभिनव श्रीवास्तव

अधिकासी अधिकारी

नगर पंचायत उसका बाजार

हेमन्त कुमार जायसवाल

पूर्व अध्यक्ष

नगर पंचायत उसका बाजार,

जनपद- सिद्धार्थनगर

मंजू जायसवाल

(अध्यक्ष)

नगर पंचायत उसका बाजार, सिद्धार्थनगर

प्रगिला देवी

वार्ड नं० 1

कल्लू प्रसाद पासवाल

वार्ड नं० 2

कासिंग

वार्ड नं० 3

कान्ती वर्मा

वार्ड नं० 4

गुडिया देवी

वार्ड नं० 5

सुर्यगती

वार्ड नं० 6

विभूति अग्रहरी

वार्ड नं० 7

रोजेश श्रीवास्तव

वार्ड नं० 8

अंगद साहनी

वार्ड नं० 9

मर्त्यक पाण्डेय

वार्ड नं० 10

उपेन्द्र नाथ द्वे

वार्ड नं० 11

पुनम त्रिपाठी

वार्ड नं० 12

अरोध्या प्रसाद साहू

वार्ड नं० 13

प्रेमा अग्रहरी

वार्ड नं० 14

सुरज कू. जायसवाल

वार्ड नं० 15